पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

मौनी रॉय बोलीं - सबसे अजीब अफवाह थी मैं गे हूं

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 91 ■ सोमवार 15 जून 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

डेढ़ घंटे में 6 चोरी, 6 घंटे में पकड़े गए चोर

- 2 लैपटॉप, 13 मोबाइल बरामद
- दोनों चोर 3 दिन की रिमांड पर
- अंबरनाथ पुलिस की हो रही प्रशंसा

अंबरनाथ. अंबरनाथ पुलिस ने केवल 6 घंटे के भीतर 6 घरों में चोरी करने वाले 2 चोरों को आंबिवली से गिरफ्तार करके चोरी के मोबाइल और सामान बरामद कर लिया है. चोरों को न्यायालय में पेश करके 3 दिन की रिमांड पर ले लिया गया है. पुलिस ने ये बता दिया है कि अगर वह दिल पर लेगी तो क्या नहीं कर सकती.

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शब्बीर सय्यद की निगरानी में चोरों को पकड़ा गया है, जिसकी प्रशंसा शहर में की जा रही है. पुलिस ने आंबिवली के अटाली गांव से कृष्णा गणेश (25) और अरुण मुरुगन (23) को गिरफ्तार करके उनके पाससे चोरी के 2 लैपटॉप, 13 मोबाइल बरामद कर लिए हैं. पुलिस उप निरीक्षक अविनाश गायकवाड़ की टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी जांच के बाद महज 6 घंटे के भीतर इन चोरों को पकड़ा है. पुलिस उपायुक्त ने जानकारी दी है कि हम ये पूछताछ कर रहे हैं कि दोनों ने और कितने अपराध किए हैं. लेकिन उनका ये भी कहना है कि दोनों चोरों ने पहली बार चोरी की है.

पुलिस ने ये भी बताया है कि खुले घर के दरवाजे को देखते हुए ये 6 चोरी की गई है. चोरी किए गए सामान की कीमत 3 लाख 81 हजार रुपए हैं. जिस तरह चोरों ने डेढ़ घंटे में फटाफट चोरी की, उसी तरह पुलिस ने भी सतर्कता बरतते हुए इन चोरों को पकड़कर सामान भी बरामद कर लिया है. नहीं तो चोरी होने के बाद ये कहा जाता है कि अब गया सामान वापस मिलने की उम्मीद नहीं रखना. लेकिन अब इस चोरी का माल बरामद होने एवं चोरों के जल्दी पकड़े जाने से पुलिस पर लोगों को विश्वास बढ़ गया है. लोगों को भी चाहिए कि वह कीमती सामान रखकर घर का दरवाजा खुला ना रखें. उनके द्वारा भी सतर्कता बरतना जरूरी है.

मानसून सर पर, नाला सफाई अधूरी

उल्हासनगर महानगर पालिका का दावा

बड़े नालों की 90% व छोटे नालों की 80% हुई सफाई

- क्या पहली बारिश में खुलेगी मनपा के दावों की पोल?

करन बोधा

उल्हासनगर. महानगर पालिका के अधिकारी मनीष हिवारे ने दावा किया है कि शहर के 90 परसेंट बड़े नाले और 80 परसेंट छोटे नाले साफ हो गए हैं। नालों की सफाई का टारगेट 10 जून तय किया गया था। लेकिन असल में, शहर में कई नाले कचरे से भरे हुए हैं, और भारतनगर में वालधुनी नदी से JCB मशीनों से गाद निकालने का काम चल रहा है। उल्हासनगर महानगर पालिका ने नालों की सफाई का टारगेट 10 जून तय किया था। लेकिन, 10 जून तक 80 परसेंट छोटे और बड़े नाले साफ हो चुके हैं। शहर के बीच में बहने वाली वालधुनी नदी समेत खेमानी नाला, गायकवाड़ पाड़ा नाला, दुर्गापाड़ा नाला, सम्राट अशोकनगर नाला समेत कुल 48 बड़े नालों की सफाई एक ऐसे कॉन्ट्रैक्टर से करवाई जा रही है जिसे टेंडर प्रोसेस में हटा दिया गया था। विपक्ष गंभीर आरोप लगा रहा है कि नालों से गाद हटाने के बजाय, उसे JCB मशीनों की मदद से वहीं फैलाया जा रहा है। कहा जा रहा है कि भारतनगर में वालधुनी नदी से JCB मशीनों से गाद और कचरा निकाला जा रहा है। जो गाद निकाली गई है, वह असल में कहां है? यह सवाल वहां के लोगों का है।

कचरे में 80% प्लास्टिक

इस साल नाला सफाई में एक और बड़ी चिंता सामने आई है, वह यह है कि नालों में मिलने वाले कचरे में 80% प्लास्टिक कचरा है। यही प्लास्टिक कचरा पानी के बहाव को रोकने का मुख्य कारण है।

10 जून का टारगेट पूरा नहीं हुआ

महानगरपालिका 10 जून के लिए तय नाले की सफ़ाई का 100 परसेंट टारगेट पूरा नहीं कर पाई। अब महानगर पालिका को युद्धस्तर पर काम करना होगा। सिर्फ़ नालों की सफ़ाई करना काफ़ी नहीं है, किनारों से गाद तुरंत हटाना बहुत ज़रूरी है। अगर आने वाले हफ़्ते में प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो इसमें कोई शक नहीं कि यह मॉनसून का मौसम भी उल्हासनगर के लोगों के लिए परेशानी भरा होगा।

भारतनगर का नाला खतरनाक

अंबरनाथ शहर से आने वाला एक नाला भारतनगर में वालधुनी नदी से मिलता है। यहां नदी के तल में कचरे और गाद के ढेर की तस्वीर है। चूंकि इस नाले के किनारे कोई सुरक्षा दीवार नहीं है, इसलिए बाढ़ का पानी नाले के किनारे के घरों और एक स्कूल के खेल के मैदान में घुसने की संभावना है। साथ ही, नदी के किनारों पर अवैध कंस्ट्रक्शन के कारण नदी और नाले की गहराई और चौड़ाई कम हो गई है और मानसून के दौरान पानी जल्दी नहीं निकल पाता है।

अंदर के नाले जाम

शहर के मुख्य नालों के साथ-साथ शांतिप्रकाश स्कूल परिसर, गायकवाड़ पाड़ा, खेमानी, सम्राट अशोक नगर, टेलीफोन एक्सचेंज और फर्नीचर बाजार के अंदर के नालों की सफाई अभी भी अधूरी है। चौंकाने वाली बात यह है कि नालों से निकाली गई गाद और कचरा नालों के किनारे ही फेंक दिया गया है। इस कचरे को समय पर नहीं हटाए जाने से इलाके में भयानक बदबू फैल गई है, जिससे स्थानीय लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो गई है।

अंडरग्राउंड सीवर योजना में रुकावट

शहर में अंडरग्राउंड सीवर योजना का काम अधूरा होने से हर जगह सड़कें खोदी हुई दिख रही हैं। साथ ही, कई इलाकों से सीवेज सीधे मानसूनी नालों में छोड़ा जाता है, जिससे नालों में हमेशा गाद जमा रहती है।

पुलिस ने फटका गैंग के चोर को गिरफ्तार किया

कल्याण. कल्याण रेलवे पुलिस ने फटका गैंग के एक चोर को गिरफ्तार किया है, जिसने शहाड और अंबिवली रेलवे स्टेशन के बीच चल रही अमरावती एक्सप्रेस में एक यात्री के हाथ पर बांस से वार किया और उसका महंगा मोबाइल फोन तोड़ दिया। गिरफ्तार आरोपी के पास से शिकायतकर्ता का चोरी हुआ मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया गया है। चोर का नाम हसन जफर बताया गया है।

अमरावती एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे एक यात्री के हाथ पर बांस से वार किया गया और उसका मोबाइल फोन नीचे गिर गया। मोबाइल फोन गिरते ही आरोपी ने उसे छीन लिया। इस मामले में पीड़ित यात्री ने कल्याण लोहमार्ग पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद लोहमार्ग पुलिस ने इलाके से जानकारी इकट्ठा की और जांच शुरू की। पुलिस को बताया गया कि आरोपी फिर से इसी तरह का अपराध करने की तैयारी में था। पूछताछ के दौरान, आरोपी ने शिकायतकर्ता का चोरी हुआ मोबाइल फोन जब्त कर लिया। साथ ही, पुलिस यह पता लगाने के लिए पूरी जांच कर रही है कि आरोपी ने पहले इसी तरह से और कितने मोबाइल फोन चुराए हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि इस जांच से और भी अपराध सुलझ सकते हैं। यह कार्रवाई कल्याण लोहमार्ग पुलिस टीम ने सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर पंढरीनाथ कांडे के मार्गदर्शन में की, और आरोपी से और जानकारी हासिल करने के लिए आगे की जांच जारी है। इसके अनुसार, पुलिस ने जाल बिछाया और रैकेट गिरोह के सदस्य हसन दारा जफर को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

कल्याण में बुद्ध भूमि मामले में आज से धरना-प्रदर्शन

- पुलिस प्रशासन से परमिशन मांगी गई

कल्याण. बुद्धभूमि फाउंडेशन और बौद्ध अनुयायियों के खिलाफ कथित सरकारी अन्याय के खिलाफ भिक्खु संघ और बुद्धभूमि फाउंडेशन के ट्रस्टियों ने सोमवार, 15 जून से कल्याण डोंबिवली नगर निगम हेडक्वार्टर के सामने अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने की चेतावनी दी है और इसके लिए पुलिस प्रशासन से आधिकारिक अनुमति मांगी है। बुद्धभूमि फाउंडेशन के मुख्य ट्रस्टी भंते गौतम रत्न थेरो द्वारा दिए गए एक बयान के अनुसार, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह गंभीर आरोप लगाया गया है कि मौजे चिकनघर में बुद्धभूमि क्षेत्र पिछले कुछ दशकों से कानूनी कब्जे और रिकॉर्ड में होने के बावजूद प्रशासन लगातार अन्याय कर रहा है। आरोप है कि 30 मई की कार्रवाई में तथागत गौतम बुद्ध की मूर्ति, बौद्ध स्तूप और भीमा कोरेगांव विजयस्तंभ की प्रतिकृति हटा दी गई और 42 पेड़ काट दिए गए। यह दावा करते हुए कि यह कार्रवाई लाठी और हथियारों के डर से की गई थी, संबंधित अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज करने और तुरंत सस्पेंड करने की मांग की गई है। यह तर्क दिया गया है कि विट्ठलवाड़ी कब्रिस्तान और प्रेम ऑटो सर्कल के बीच प्रस्तावित फ्लाईओवर को वालधुनी नदी के किनारे बनाया जाना चाहिए, और प्रभावित ज़मीन के लिए उचित मुआवज़ा दिया जाना चाहिए।

नई सड़क कुछ ही समय में फिर खुदी

- उप महापौर अमर लुंड ने संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी

उल्हासनगर. महज तीन महीने पहले करोड़ों रुपये की लागत से बनी कंक्रीट सड़क अब फिर से खोदने की नौबत आ गई है और खुद उप महापौर ने उल्हासनगर मनपा के बिना प्लान के मैनेजमेंट पर सवाल उठाया है. कैंप-5 में गोल्डन नगर एंट्रेंस पर पानी की सप्लाई पाइपलाइन बिछाने के लिए नई बनी सड़क को खोदने से नागरिकों में गुस्से की लहर दौड़ गई है, और उप महापौर अमर लुंड ने मौके का दौरा किया और अधिकारियों की लापरवाही और मनमानी को सामने लाते हुए जांच और कार्रवाई की चेतावनी दी है.

उल्हासनगर कैंप नंबर 5 में गोल्डन नगर उप महापौर अमर लुंड का वार्ड है, इसलिए उन्होंने स्थानीय निवासियों से बातचीत की और उनकी समस्याएं जानीं. इस समय, नागरिकों ने नई बनी सड़क को फिर से खोदने पर अपना गुस्सा जाहिर किया और प्रशासन के तालमेल की कमी की ओर ध्यान दिलाया.

उप महापौर अमर लुंड ने कहा कि गोल्डन नगर इलाके के निवासी कई सालों से पानी की कमी का सामना कर रहे हैं. इस समस्या का पक्का हल निकालने के लिए, पूर्व पार्षद दादा सतरामदास जैसवानी ने एडमिनिस्ट्रेटर के राज में संबंधित अधिकारियों से सड़क बनाने से पहले पानी की सप्लाई पाइपलाइन बिछाने की मांग की थी. लेकिन, अधिकारियों की अनदेखी के कारण पहले सड़क बना दी गई और अब पानी की सप्लाई की समस्या को हल करने के लिए नई बनी सड़क को फिर से खोदना पड़ रहा है.

पूरी जांच का वादा

इसके लिए अधिकारियों की लापरवाही और मनमानी को ज़िम्मेदार बताते हुए, उप महापौर ने कहा कि नागरिकों के टैक्स के पैसे की बर्बादी गंभीर है. उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि पूरी जांच की जाएगी और ज़िम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. इस घटना ने एक बार फिर नगर निगम के अलग-अलग डिपार्टमेंट के बीच तालमेल की कमी को उजागर किया है और विकास के कामों को और असरदार तरीके से प्लान करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया है.

पेट्रोलियम पदार्थ की कालाबाजारी

अंबरनाथ में तेल टैंकर से 1.2 करोड़ का माल जब्त

- अंबरनाथ के उसाटने गांव में पकड़ा गया टैंकर
- अन्न व नागरी पुरवठा की बड़ी कार्रवाई

अंबरनाथ. अंबरनाथ के उसाटने में अवैध हाइड्रोकार्बन पेट्रोलियम प्रोडक्ट के स्टॉक पर फूड एंड सिविल सप्लाइज़ और कंज्यूमर प्रोटेक्शन डिपार्टमेंट की कार्रवाई की गई जिसमें टैंकर में 1.2 करोड़ रुपये का पेट्रोलियम पदार्थ ज़ब्त किया गया। कंट्रोलर राशन डिस्ट्रीब्यूशन चंद्रकांत डांगे के मार्गदर्शन में स्टेट विजिलेंस टीम की एक बड़ी कामयाबी है। टीम को गोपनीय जानकारी मिली थी कि खाने के तेल के टैंकरों का इस्तेमाल करके हाइड्रोकार्बन पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स को गैर-कानूनी तरीके से स्टोर करके बेचा जा रहा है। इस जानकारी के आधार पर टीम ने उसाटने गांव में संबंधित जगहों पर छापा मारा। जांच के दौरान बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के साथ-साथ इसके लिए इस्तेमाल होने वाली गाड़ियां और दूसरा सामान मिला। स्टेट विजिलेंस टीम के अधिकारियों ने पूरे इलाके का मुआयना किया और गैर-कानूनी स्टॉक को जब्त कर लिया। शुरुआती जांच में पता चला है कि ये प्रोडक्ट्स गैर-कानूनी तरीके से बेचे जा रहे थे।

अंबरनाथ के उसाटने इलाके में एक बड़े अवैध अड्डे पर रेड मारी गई। स्टेट विजिलेंस टीम की इस कार्रवाई में करीब 1 करोड़ 20 लाख रुपये का पेट्रोलियम पदार्थ ज़ब्त किया गया है और आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।

पटेल बिल्डर का आरोप बेबुनियाद, मैंने रकम नहीं मांगा

- अनशन पर बैठे संजय प्रसाद का खुलासा
- 6 दिन से शुरू है अनशन

अंबरनाथ. अंबरनाथ में पटेल बिल्डर की पुनर्निर्माण इमारत के बारे में प्रशासन से शिकायत करने के बाद भी कोई कार्रवाई ना होने के कारण पैंथर सेना के संजय प्रसाद ने तहसील कार्यालय के समक्ष अनशन छेड़ रखा है.

बिल्डर एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय जाधव, ज्ञानधर मिश्रा एवं अंकित पटेल ने पत्रकार परिषद में खुलकर ये आरोप लगाया है कि संजय प्रसाद पैसों की खातिर ये सब कररहे हैं. उन पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने बिल्डर से 25 लाख रुपए मांगे हैं. इसके खुलासे में संजय प्रसाद ने कहा है कि अंकित पटेल ने सबूत के साथ बताए कि उन्होंने पैसों की मांग की है. अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया और अपनी बात सिद्ध नहीं की तो वह उनके खिलाफ न्यायालय में मानहानि का दावा करेंगे और उनके नाम से पुलिस में अपराध भी दाखिल किया जाएगा. संजय प्रसाद ने ये भी कहा है कि पुलिस ने अभी तक उनके खिलाफ कुछ भी नहीं किया है. यही उनकी बेगुनाही का सबूत है. दूसरी ओर पत्रकार परिषद में अंकित पटेल ने कहा था कि उन्होंने जिस बिचौलिये से रकम मुझसे मांगने के लिए कहा था, वह सबूत भी वह देंगे. विदित हो कि नगर परिषद कार्यालय के समक्ष गत कई वर्षों से पटेल बिल्डर, पटेल लो प्राइज के नाम से शॉप चला रहे हैं. ये इमारत अंबरनाथ के पूर्व नगराध्यक्ष दादासाहेब नलावडे की है. वह इस इमारत में रहते भी थे. इस इमारत में कई शॉप हैं. बाद में पटेल बिल्डर ने ये इमारत खरीद लिया. अब ये इमारत खस्ता होने के कारण इमारत को तोड़कर नई इमारत निर्माण का कार्य उसी स्थान पर शुरू है. जिसको लेकर पैंथर सेना के संजय प्रसाद अनशन पर बैठे हैं. दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप किए जा रहे हैं.

आनंदनगर MIDC में चार फुट के अजगर का रेस्क्यू

अंबरनाथ. आनंदनगर MIDC इलाके में एक इंजीनियरिंग कंपनी में चार फुट के अजगर के घुसने की घटना हुई। कंपनी परिसर में एक बड़ा सांप दिखने पर वर्कर बहुत परेशान हो गए। हालांकि, सर्पमित्र की मुस्तैदी की वजह से अजगर को सुरक्षित रूप से पकड़कर बिना कोई नुकसान पहुंचाए उसके नेचुरल हैबिटैट में छोड़ दिया गया।

विधायक किणीकर ने पानी बचाने की अपील की

अंबरनाथ. इस वर्ष पानी के संकट को देखते हुए बरसात में देरी एवं बारवी डैम व अन्य बांधों में गरमी के कारण सूखते पानी के स्तर को देखते हुए नेताओं को अब अहसास हो रहा है कि ठाणे जिले में सूखा पड़ेगा. इसलिए पानी के कम इस्तेमाल, पानी के कद्र की जानकारी अब नेताओं द्वारा दी जा रही है.

अंबरनाथ के विधायक डॉ. बालाजी किणीकर ने भी सभी से ये अपील की है कि इस वर्ष कम बारिश के कारण पानी का संकट बढ़ने की आशंका है. इसलिए पानी का काम और जिम्मेदारी से उपयोग करने की जरूरत है. वाहनों को एवं रास्तों को धोना इस प्रकार के कामों के लिए पीने के पानी का उपयोग ना करें. घर के नल, पाइपलाइन से पानी का रिसाव है तो तुरंत दुरुस्त करें. जल है तो जीवन है. इस संदेश को ध्यान में रखते हुए पानी बचत के मुहिम में शामिल हों. आज आपके द्वारा बचाया गया हर एक बूंद पानी कल का भविष्य सुरक्षित करेगा. सभी शहरवासियों ने पानी का कम से कम उपयोग करके प्रशासन को सहकार्य करने की अपील बालाजी किणीकर ने अपने संदेश से जारी किया है. अंबरनाथ शहर का एक ही मकसद, पानी बचाओ का प्रामाणिक प्रयास ऐसा नारा किणीकर ने दिया है. उन्होंने अंबरनाथवासियों से अपील की है कि पानी बचत के लिए हम सबको एक कदम आगे आना होगा. नेताओं एवं प्रशासन की अपील से लोगों को सतर्क हो जाना है कि इस वर्ष बारिश कम होगी. पानी का संकट बढ़ेगा. इसलिए पानी की कद्र करें.

रिवॉल्वर के साथ एक गिरफ्तार

अंबरनाथ. शिवाजीनगर पुलिस ने दुर्गदेवी पाड़ा इलाके में गैर-कानूनी तरीके से हथियार ले जाते हुए 22 साल के एक युवक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक रिवॉल्वर और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, यह ऑपरेशन 12 जून की शाम को अंबरनाथ ईस्ट के दुर्गदेवी गांडवी पाड़ा, साईकृपा चॉल इलाके में किया गया था। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान आशीषकुमार झारखण्ये प्रसाद (22) के रूप में हुई है। ठाणे के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस ने शहर में हथियार, तलवार, बंदूक या खतरनाक चीजें रखने पर रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं। हालांकि, आरोपी ने इसका उल्लंघन किया और गैर-कानूनी तरीके से अपने पास एक रिवॉल्वर और जिंदा कारतूस रखे हुए थे।

वालधुनी नदी के किनारे पर रेलवे कर रह भराव

मानसून में निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुसने का डर

उल्हासनगर. रेलवे प्रशासन उल्हासनगर रेलवे स्टेशन के पूरब में वालधुनी नदी के किनारों को मिट्टी से भर रहा है. स्थानीय लोगों का आरोप है कि इससे नदी का तल संकरा हो गया है और नदी के आस-पास के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा है. म्युनिसिपल इंजीनियर संदीप जाधव ने बताया है कि रेलवे ट्रैक के पास मिट्टी भरी जा रही है.

वालधुनी नदी रेलवे ट्रैक के समानांतर बहती है, जो उल्हासनगर वडोलगांव की ओर मुड़ जाती है.

नदी और शहर से आने वाले नाले में बाढ़ आने से अक्सर रेलवे ट्रैक भर जाते हैं. इससे रेलवे ट्रैक को खतरा पैदा हो गया था. दूसरी ओर, इस जगह से तीसरे और चौथे रेलवे ट्रैक को बढ़ाने का काम चल रहा है. नदी और शहर से आने वाले नाले में बाढ़ आने से अक्सर ट्रैक भर जाते हैं. इससे ट्रैक को खतरा पैदा हो गया था.

नदी पर पुल अधूरा

उल्हासनगर रेलवे स्टेशन को CHM कॉलेज से जोड़ने वाला पुल खराब हो गया है, इसलिए उसके पैरलल एक नया पुल बनाया जा रहा है. हालांकि, पुल का काम पिछले साल से रुका हुआ है. मॉनसून में इससे लोगों को परेशानी होगी.

वालधुनी नदी का तल मिट्टी भरने से पतला हो गया है

भविष्य में इस ट्रैक को नदी और पास की धारा से कटाव से बचाने के लिए, रेलवे एडमिनिस्ट्रेशन वालधुनी नदी में मिट्टी का पुल बनाकर उसे भर रहा है.

रेलवे प्रशासन भविष्य में किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए उल्हासनगर रेलवे स्टेशन के पूरब में रेलवे ट्रैक और वालधुनी नदी के किनारे को भर रहा है. नदी में मिट्टी का ढेर भी बनाया गया है. मॉनसून में मिट्टी का ढेर हटा दिया जाएगा.

-संदीप जाधव,
डिप्टी इंजीनियर,
उल्हासनगर मनपा

डर है कि मिट्टी भरने से नदी का तल पतला हो जाएगा और बाढ़ का पानी पास के निचले इलाकों में घुस जाएगा. यह भी डर है कि रेलवे ट्रैक के पास भरा हुआ हिस्सा बाढ़ के कारण कट सकता है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

गोली चलाकर निकल गए हमलावर

हरियाणा के हांसी में एक जिम संचालक की सरेआम गोली मारकर हत्या कर देने की घटना ने एक बार फिर इस बात को उजागर किया है कि अपराधियों को कानून का कोई खौफ नहीं है। जब अपराधी खुलेआम हथियार लेकर घूमते हों और मौका पाकर इस तरह की वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाएं, तो कानून व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। इससे न केवल आमजन में असुरक्षा की भावना बढ़ती है, बल्कि सरकार के सुरक्षा एवं जांच तंत्र पर उनका भरोसा भी डगमगाने लगता है।

सवाल है कि आखिर अपराधियों के भीतर कानून का भय क्यों खत्म हो गया है? इसे सुरक्षा एजेंसियों की लापरवाही और नाकामी नहीं, तो और क्या कहा जाएगा कि हत्या जैसी संगीन वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी आसानी से फरार हो जाते हैं? सरकार की ओर से अक्सर यह दावा किया जाता है कि सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए समूची प्रणाली को आधुनिक तकनीक से लैस किया जा रहा है। इसके बावजूद अगर अपराध कम नहीं हो रहा, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है?

गौरतलब है कि हांसी में जिम संचालक की गुरुवार सुबह उस वक्त गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह लोगों के एक समूह को खुले में व्यायाम करा रहे थे। मोटरसाइकिल पर आए हमलावरों ने दस गोलियां चलाईं। यानी हमलावर यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि जिम संचालक किसी भी हाल में जिंदा न बचे। इस वारदात की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई, लेकिन हमलावर फरार होने में कामयाब रहे।

इस घटना के कुछ घंटों बाद दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने एक जिम पर गोलीबारी की, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े एक समूह ने ली है। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या इन दोनों घटनाओं का आपस में कोई संबंध है। फिलहाल पुलिस इस बारे में जांच कर रही है। मगर शासन-प्रशासन को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा कि सिर्फ कानून बना देने से सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त नहीं हो जाती। जब तक सुरक्षा एवं जांच तंत्र में हर स्तर पर सतर्कता, संवेदनशीलता और जवाबदेही तय नहीं की जाएगी, तब तक कानून व्यवस्था में सुधार की उम्मीद नहीं की जा सकती।

विमर्श

विकास के अगले चरण की आवश्यकता

भारत की लोकतांत्रिक एवं आर्थिक यात्रा में 10 जून, 2026 की तिथि एक मील के पत्थर के रूप में अंकित होगी। इसी दिन नरेन्द्र मोदी ने एक कीर्तिमान स्थापित किया, जब निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल सबसे लंबा हो गया। उद्योग जगत के लिए यह और महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें नेतृत्व की निरंतरता, नीतिगत स्थिरता और अर्थव्यवस्था की दिशा के प्रति विश्वास जैसे भाव समाहित हैं।

यही वे आधार हैं जिन पर निवेश एवं उद्यम की नींव टिकी होती है। उद्योग जगत के लिए ये 12 वर्ष स्वतंत्र भारत के सबसे अहम वर्षों में रहे। इस दौरान मोदी सरकार ने न केवल महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचे के विकास को साकार रूप दिया है, बल्कि नीतियों को इस प्रकार से आकार दिया, जिससे भारत एक अधिक एकीकृत, अधिक डिजिटल और अधिक प्रतिस्पर्धी आर्थिकी बन गया है।

इन 12 वर्षों की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ जीएसटी के माध्यम से एकीकृत राष्ट्रीय बाजार के निर्माण का रहा। राज्य स्तर पर विभिन्न अवरोधों को दूर करते हुए जीएसटी ने कंपनियों को लाजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित करने और बाजार में तेजी से पहुंचने में सक्षम बनाया। जीएसटी के साथ दिवालियापन एवं ऋण शोधन संहिता ने क्रेडिट बाजारों में अपेक्षित अनुशासन का संचार किया। इसने उधारी के तंत्र को मजबूत किया, वसूली की प्रक्रिया में सुधार किया और आश्वस्त किया कि भारत फंसी हुई परिसंपत्तियों के परिदृश्य को सुव्यवस्थित नियमों के माध्यम

से सुलझाने के प्रति गंभीर है।

बुनियादी ढांचा इस कार्यकाल का दूसरा प्रमुख स्तंभ रहा है। पिछले 12 वर्षों में भारत ने सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, बिजली और डिजिटल कनेक्टिविटी में असाधारण प्रगति की है। राजमार्गों का विस्तार द्रुत गति से हुआ है। रेल लाइनों का व्यापक विद्युतीकरण किया गया है। माल ढुलाई गलियारों का विस्तार हुआ। हवाई अड्डों की संख्या बढ़ी है और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

कम लाजिस्टिक्स लागत, तेजी से माल ढुलाई, छोटे शहरों से बेहतर कनेक्टिविटी और बिजली की निर्बाध एवं भरोसेमंद आपूर्ति जैसे पहलू व्यवसायों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाते हैं। ये पहलू स्थायी विकल्पों की बाट जोह रही वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत को एक आकर्षक विकल्प के रूप में उभारने में मददगार बनते हैं। बुनियादी ढांचे पर यह जोर विनिर्माण आकांक्षाओं को भी परवान चढ़ाता है।

उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं और संबंधित नीतिगत पहलों के माध्यम से भारत ने इलेक्ट्रानिक्स, सेमीकंडक्टर्स, फार्मास्यूटिकल्स, आटोमोबाइल, नवीकरणीय ऊर्जा और रक्षा विनिर्माण जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया है। उद्योग जगत ने भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। घरेलू और विदेशी निवेश ने उन क्षेत्रों में भी गति पकड़ी है, जिनमें पहले भारत पर बहुत दांव नहीं लगाया जाता था।

इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण में वृद्धि, भारत के एक प्रमुख स्मार्टफोन उत्पादक के रूप में उभरना और प्रमुख सेमीकंडक्टर परियोजनाओं का आगे बढ़ना इस बड़े बदलाव का ही प्रतीक है। इसके चलते अब भारत को विनिर्माण और नवाचार के एक उदीयमान गढ़ के रूप में देखा जा रहा है। आज कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर पुनर्विचार कर रही हैं। सोर्सिंग रणनीतियों में विविधता ला रही हैं और स्थायित्व से परिपूर्ण ऐसे क्षेत्राधिकारों की राह तलाश रही हैं, जहां वे दीर्घकालिक निवेश कर सकें।

ऐसे माहौल में भारत का विशाल आकार, प्रतिभाओं की भरमार, लोकतांत्रिक संस्थाओं के स्वरूप और सुधारों की गति उसे एक विशिष्ट स्थिति प्रदान करते हैं, लेकिन केवल सही स्थिति में होना ही पर्याप्त नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में सबसे महत्वपूर्ण स्पष्ट संकेत रहा कि सरकार दृढ़ता से निर्णय लेने, समय के साथ सुधारों की निरंतरता बनाए रखने और अपनी नीतिगत मंशा को धरातल पर उतारने के लिए पूरी तरह तैयार है। उद्योग जगत के लिए यह विश्वसनीयता बेहद मूल्यवान है। यह अनिश्चितता को कम करती है और दीर्घकालिक पूंजी निवेश की संभावनाओं को और सुदृढ़ बनाती है।

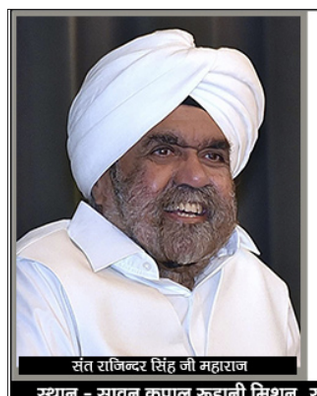

ध्यानाभ्यास,
यदि सही तरीके से किया जाए,
तो प्रयासरहित होता है।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२
देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

डोनाल्ड ट्रंप की बातों पर कैसे करें भरोसा?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आए दिन कोई न कोई ऐसा बयान देते हैं, जिसके बाद कई स्तर पर उथल-पुथल हो जाती है। हालांकि आमतौर पर कुछ ही समय के बाद वे या तो अपनी बात से उलट कुछ नया कह देते हैं या फिर उसे वापस ले लेते हैं। विडंबना यह है कि वैश्विक कद के मद्देनजर ट्रंप के बयानों को बिल्कुल बेमानी मान लेना भी संभव नहीं होता और उनके विचारों को स्थिर मानना भी मुश्किल होता है।

दरअसल, कई बार बेहद हड़बड़ी में की गई उनकी टिप्पणियों की वजह से ऐसी स्थितियां पैदा हुईं, जिनका वैश्विक स्तर पर व्यापक असर हुआ, लेकिन वे खुद अपनी बातों को लेकर गंभीर नहीं दिखे। मसलन, करीब दो महीने पहले जब पाकिस्तान के इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत नाकाम हुई थी, तब ट्रंप ने युद्ध की आग ज्यादा भड़कने को लेकर लगातार कई धमकियां दी थीं।

इसके बाद शेयर बाजार में 4500 से ज्यादा अंकों की तेज गिरावट दर्ज की गई थी। मगर जब भी वे हमलों के धीमा पड़ने या बातचीत को लेकर सकारात्मक बयान देते हैं, तो उसके बाद शेयर बाजार में भारी उछाल देखा जाता है।

इसके अलावा, पश्चिम एशिया में जारी युद्ध की वजह से दुनिया के ज्यादातर देशों की आपूर्ति श्रृंखला

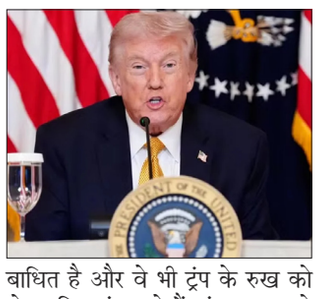

बाधित है और वे भी ट्रंप के रुख को लेकर फिक्रमंद रहते हैं। ट्रंप जब कहते हैं कि युद्ध खत्म करने या विराम को लेकर सहमति बन सकती है, तो उससे शेयर बाजार में राहत के साथ-साथ प्रभावित देशों के भीतर शांति और स्थिरता की उम्मीद पैदा हो जाती है। मगर इससे बेखबर ट्रंप अगले ही दिन इसके उलट या भ्रम पैदा करने वाला कोई और बयान दे देते हैं।

गौरतलब है कि गुरुवार को ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक टिप्पणी की कि बहुत जल्द ईरान के तेल-गैस उद्योगों और खार्ग द्वीप पर कब्जा कर लिया जाएगा और इसके लिए अमेरिका आज रात ईरान पर व्यापक पैमाने पर हमला करेगा। जाहिर है, इसके बाद युद्ध के और जटिल शक्ल अख्तियार करने को लेकर व्यापक आशंका पैदा हुई। मगर इसके कुछ ही घंटे बाद उन्होंने कहा कि ईरान के साथ बातचीत आगे बढ़ रही है और इस वजह से उस पर बमबारी रद्द कर दी गई है।

यह कोई अकेला उदाहरण नहीं है, बल्कि जब से ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल ने साझा हमला किया, तब से वे कई बार इसी तरह के बयान दे चुके हैं और उससे पलट चुके हैं।

यह समझना मुश्किल है कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जारी जिस युद्ध की वजह से न केवल इन देशों के नागरिक, बल्कि कई अन्य देश भी बुरी तरह प्रभावित हैं और व्यापक ऊर्जा संकट का सामना कर रहे हैं, उसके बारे में ट्रंप इतने हल्के अंदाज में कैसे कोई भी बयान दे देते हैं। उनके अगंभीर रवैये की वजह से कई बार ऐसे हालात बन जाते हैं, जिनका कुछ देशों की आर्थिक स्थिति पर बेहद नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

अफसोस की बात यह है कि जल्दबाजी भरे बयानों और उनमें स्थिरता न रहने के कारण उनकी विश्वसनीयता में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। वे व्यापार से लेकर कूटनीति तक के मामले में भारत को अपना सहयोगी बताने में पीछे नहीं रहते, लेकिन भारतीय नाविकों वाले जहाजों को निशाना बनाने में अमेरिका को कोई हिचक नहीं हुई। हालांकि भारत की तीखी आपत्ति के बाद ट्रंप ने आरोपों का रुख ईरान की ओर मोड़ने की कोशिश की।

क्या की जा सकती है शुतुरमुर्ग की सवारी?

जब भी जानवरों की सवारी की बात होती है तो सबसे पहले घोड़े, ऊंट या हाथी का नाम दिमाग में आता

जरा हट के

है. लेकिन क्या आपने कभी किसी इंसान को किसी पक्षी की सवारी करते देखा है? सुनने में यह बात भले ही अजीब लगे, लेकिन इन दिनों सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने लोगों को हैरान कर दिया है. वीडियो में एक शख्स दुनिया के सबसे बड़े पक्षी शुतुरमुर्ग की सवारी करता नजर आ रहा है और लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए लोगों को यह अनोखा अनुभव दिखा रहा है.

क्यों खास है शुतुरमुर्ग?

दरअसल, शुतुरमुर्ग दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे भारी पक्षी माना जाता है. अफ्रीका में पाए जाने वाले इस विशाल पक्षी की ऊंचाई 9 फीट तक और वजन 100 किलो से भी अधिक हो सकता है. भारी शरीर होने की वजह से यह उड़

नहीं सकता, लेकिन इसकी रफ्तार किसी स्पोर्ट्स बाइक से कम नहीं होती. खतरा महसूस होने पर शुतुरमुर्ग लगभग 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकता है. यही वजह है कि इसे धरती पर सबसे तेज दौड़ने वाले पक्षियों में गिना जाता है. इसके मजबूत पैर इतने ताकतवर होते हैं कि यह अपने वजन के साथ-साथ इंसान का वजन भी आसानी से संभाल सकता है.

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में एक शख्स शुतुरमुर्ग की पीठ पर बैठकर उसकी सवारी करता दिखाई देता है. शुरुआत में शुतुरमुर्ग जमीन पर बैठा हुआ नजर आ रहा है. उसकी पीठ पर एक नरम गद्दा रखा गया है, जिससे सवारी करने वाले व्यक्ति को बैठने में आसानी हो सके. इसके बाद शख्स सावधानी से शुतुरमुर्ग की पीठ पर बैठ जाता है. जैसे ही वह सवार होता है, शुतुरमुर्ग की आंखों पर बंधी पट्टी को हटा दिया जाता है. पट्टी हटते ही विशाल पक्षी धीरे-धीरे उठता है और चलना शुरू कर देता है.वीडियो में देखा जा सकता है कि शख्स के हाथ में एक लंबी छड़ी भी है. वह छड़ी और सीटी की मदद से शुतुरमुर्ग को दिशा देने की कोशिश करता है.

तवा पनीर ब्रेड पिज्जा

पिज्जा कई लोगों का पसंदीदा फास्ट फूड है. बच्चों से लेकर बड़े तक इसे खाना पसंद करते हैं. हालांकि, लगातार इसे खाना सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है. ऐसे में बड़े तो अक्सर इस बात को समझ जाते हैं, लेकिन बच्चों को समझाना कई बार मुश्किल हो जाता है. ऐसे में आप बच्चों के लिए घर पर ही तवा पनीर ब्रेड पिज्जा बना सकते हैं.

सामग्री :

- 2 ब्रेड स्लाइस
- 1 कप पनीर (छोटे क्यूब्स में कटा हुआ)
- 1/2 रंगीन शिमला मिर्च (कटी हुई)
- टमाटर (कटा हुआ)
- 1/4 कप स्वीट कॉर्न के दाने
- 2 बड़े चम्मच पिज्जा सॉस
- 1/2 कप मोत्जरेला चीज
- स्वादानुसार ओरिगेनो
- 2 चम्मच चिली फ्लेक
- स्वादानुसार नमक
- मक्खन या तेल

विधि :

पनीर को छोटे आकार के क्यूब्स में काट लें. अब उन्हें मसालों जैसे लाल मिर्च पाउडर,

गरम मसाला और एक चुटकी नमक और नींबू के रस के मिश्रण में मैरीनेट करें और एक तरफ रख दें. एक तवे पर मध्यम आंच पर थोड़ा मक्खन या तेल गर्म करें. शिमला मिर्च, टमाटर और स्वीट कॉर्न के दानों को हल्का नरम होने तक भूनें. तवे पर ब्रेड का एक टुकड़ा रखें. स्लाइस को कवर करने के लिए एक बड़ा चम्मच पिज्जा सॉस समान रूप से फैलाएं.

अब सॉस के ऊपर कुछ भुनी हुई सब्जियां डालें. इसके बाद मैरीनेट किए हुए पनीर के टुकड़ों को सब्जियों के ऊपर रखें. पनीर और सब्जियों के ऊपर मोत्जरेला चीज को कद्दूकस कर लें. फिर पनीर के ऊपर ओरिगेनो, चिली फ्लेक और एक चुटकी नमक छिड़कें. पैन को ढक्कन से ढक दें और चीज पिघलने तक पकाएं. ब्रेड का निचला भाग सुनहरा भूरा और कुरकुरा हो जाए, तो इसे गरमागरम सर्व करें.

रात में कई बार खुलती है आपकी नींद!

■ जानिए इसका कारण और निवारण

अक्सर रात में नींद अचानक से खुल जाती है. ऐसा बहुत से लोगों के साथ होता होगा कि गहरी नींद में सो रहे शख्स की रात में कई बार नींद खुलती है और फिर दोबारा लग भी जाती है. कई बार तो लोगों को याद भी नहीं होता कि वह रात में जागे थे. यह एक सामान्य स्थिति है. कई बार तो लोग नींद से जागने पर ये सोचने लगते हैं कि वे क्यों जाग रहे हैं या कितनी देर सोए? वह ये भी तय करते हैं कि उन्हें कितनी देर और सोना है और कब जागना है. येल मेडिसिन में स्लीप एक्सपर्ट लिनेल कहती हैं कि वयस्क रात में दो से छह बार तक जागते हैं. इस दौरान वह किसी विवाद या काम से जुड़ी चिंता में डूब जाते हैं. उन्हें अलर्ट होना जरूरी है.

■ बिस्तर पर लेटे न रहें

लिनेल कहती हैं, अचानक नींद खुले तो 15-20 मिनट दोबारा सोने की कोशिश करें, फिर भी नींद न आए तो बिस्तर से उठ जाएं. घर में शांत जगह पर बैठकर किताब पढ़े, पजल सॉल्व करें या आडियो बुक सुनें. आधे घंटे तक ऐसा करने से नींद आने लगेगी. व्यर्थ की चिंता में न उलझें, इससे नींद उचट जाती है.

■ रात में खाने से बचें

नींद की समस्या रात के खाने की गड़बड़ी के कारण भी हो सकती है. इसलिए रात में बहुत देर से या ज्यादा खाने से बचें. ये पाचन प्रक्रिया को बिगड़ने से बचाती है. मसालेदार और वसायुक्त खाने से परेशानी और बढ़ती है. विशेषज्ञ सलाह देते हैं, सोने से 3 घंटे पहले तक हल्का खाना खाना चाहिए. रात को भूख लगे तो स्नैक्स से बचें, पीनट बटर टोस्ट या ओट्स कुकीज ले सकते हैं. ध्यान रखें कैफीन और अल्कोहल वाली चीजों का सेवन दोपहर के बाद न करें, ये बेहतर होगा.

■ फोन चेक करने से बचें

नींद न आने पर मोबाइल या अन्य डिवाइस का उपयोग करना लंबे समय तक जगाए रख सकते हैं. रिलैक्स होने के लिए मेलाटोनिन का उत्पादन रोशनी से बाधित होता है. फोन पर बार-बार समय न देखें. अगर फोन देखने का मन करता है तो उसे बेड से या रूम से दूर ही रखें ताकि खुद को फोन का इस्तेमाल करने से रोक सकें.

■ वर्कआउट का समय बदलें

व्यायाम और शारीरिक सक्रियता से नींद बेहतर होती है. हालांकि अगर रात में कई बार नींद खुती है तो शाम के वक्त वर्कआउट नहीं करना चाहिए. विशेषज्ञ के मुताबिक, इससे हार्ट रेट और शरीर का तापमान बढ़ सकता है, इसका असर आपकी नींद पर पड़ता है.

आज का राशिफल

मेष : बिगड़े काम बनेंगे. निवेश मनोनुकूल लाभ देगा. नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी. कोई पुराना रोग बाधा का कारण हो सकता है. सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. विरोध होगा. आर्थिक नीति में परिवर्तन होगा.

वृषभ : धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है. सत्संग का लाभ मिलेगा. राजकीय सहयोग प्राप्त होगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. निवेश लाभ देगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

मिथुन : वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें. विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें. आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं. दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं. अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे. किसी व्यक्ति की बातों में न आएं. जोखिम के कार्य टालें.

कर्क : वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें. प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी. राजकीय सहयोग प्राप्त होगा. वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है. व्यापार में वृद्धि होगी. स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. निवेश शुभ रहेगा.

सिंह : वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें. प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी. राजकीय सहयोग प्राप्त होगा. वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है. व्यापार में वृद्धि होगी. स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. निवेश शुभ रहेगा.

कन्या : स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं. मनपसंद रोजगार मिलेगा. आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. कर्ज समय पर चुका पाएंगे. बैंक-बैलेंस बढ़ेगा. नौकरी में चैन रहेगा. व्यापार में वृद्धि के योग हैं. शेयर मार्केट से लाभ होगा.

तुला : किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है. स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे. यात्रा लाभदायक रहेगी. बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे. किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है.

वृश्चिक : आय में निश्चितता रहेगी. शत्रु शांत रहेंगे. व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा. बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें. दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा. थकान व कमजोरी रह सकती है. वाणी में कड़े शब्दों के इस्तेमाल से बचें.

धनु : आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी. बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी. स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. काम में मन नहीं लगेगा. वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है. थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी. निवेश से लाभ होगा.

मकर : जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी. राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है. विवाद न करें. शुभ समाचार प्राप्त होंगे. प्रसन्नता रहेगी. बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे. विरोधी सक्रिय रहेंगे. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. व्यापार मनोनुकूल चलेगा.

कुंभ : कोई अनहोनी होने की आशंका रहेगी. काम में मन नहीं लगेगा. व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी. रोजगार मिलेगा. आय में वृद्धि होगी. कारोबार में वृद्धि होगी. शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा. बुद्धि का प्रयोग करें. प्रसन्नता का वातावरण बनेगा.

मीन : आंखों का विशेष ध्यान रखें. चोट व रोग से बचाएं. पुराना रोग उभर सकता है. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. वाणी पर नियंत्रण रखें. व्यवसाय की गति धीमी रहेगी. आय बनी रहेगी. नौकरी में कार्यभार रहेगा. थकान महसूस होगी.

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

खाना पकाने के लिए जरूर अपनाएं ये तरीका

खाना पकाने के लिए कई सारे तरीके हैं. जैसे अगर फटाफट खाना पकाना हो तो प्रेशर कुकिंग कर सकते हैं. वहीं अगर समय है तो आप स्टीम या हल्का सेक कर सब्जियों को खा सकते हैं. हालांकि, बहुत कम ही लोग जानते हैं कि खाना पकाने का सही तरीका क्या है. आईसीएमआर के अनुसार, ढक्कन लगाकर खाना पकाने से न केवल आपका समय बचता है, बल्कि पोषक तत्वों को बेहतर बनाए रखने में भी मदद मिल सकती है.

■ खाने को ठीक से पकाना क्यों जरूरी है?

खाने की पाचनशक्ति को बेहतर बनाने और उसे ज्यादा टेस्टी बनाने के लिए खाना सही तरह से पकाना जरूरी है. अगर आप सही तरह से खाना पकाते हैं तो शरीर को पोषक तत्व ज्यादा मिलते हैं. दरअसल, सही खाना पकाने से रोगाणु मर जाते हैं और खाने के खराब होने का खतरा भी कम हो जाता है.

■ क्या है हेल्दी खाना पकाने का सही तरीका?

आईसीएमआर की माने तो खाना पकाने के अच्छे तरीकों में प्रेशर कुकिंग या स्टीम कुकिंग शामिल है. गहरे तलने या भूनने के बजाय इस तरह की कुकिंग की जानी चाहिए क्योंकि इससे पोषक तत्वों की कमी कम हो सकती है. दरअसल, सब्जियों और हरी सब्जियों में एंटीऑक्सिडेंट और पॉलीफेनॉल दोनों के लेवल को बढ़ाने के लिए खाने को भाप से पकाना सबसे अच्छे तरीकों में से एक है.

■ बिना ढक्कन लगाए क्यों ना पकाएं खाना

खुले ढक्कन में खाना पकाने से खाने को पकने में ज्यादा समय लगता है. वहीं हवा के संपर्क में आने से पोषक तत्वों की कमी होती है. हरी सब्जियां और हरी पत्तेदार सब्जी को बंद ढक्कन में पकाने के दौरान सब्जियों का रंग बदल जाता है लेकिन पोषक तत्वों की हानि कम हो जाती है.

त्वचा पर इन चीजों के इस्तेमाल से पहले जरूर करें पैच टेस्ट

आज के समय में चाहे पुरुष हो या महिला, हर कोई अपनी त्वचा का काफी ध्यान रखता है. इसके लिए लोग न सिर्फ पार्लर जाकर स्किन केयर ट्रीटमेंट कराते हैं, बल्कि साथ ही में स्किन केयर प्रोडक्ट भी खरीदते हैं. ट्रीटमेंट से लेकर स्किन केयर प्रोडक्ट खरीदने तक में कई बार हजारों रुपये खर्च हो जाते हैं. ऐसे में वो लोग जिनके पास समय की कमी है और जो पैसे बचाना चाहते हैं वो घरेलू नुस्खे अपनाते हैं.

कई बार ऐसा होता है कि घरेलू नुस्खे अपनाते वक्त हम बिना कुछ सोचे चीजों का इस्तेमाल कर लेते हैं, जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए. अपने चेहरे पर कुछ भी लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करना चाहिए, क्योंकि घरेलू नुस्खों में इस्तेमाल की जाने वाली कई चीजें ऐसी हैं, जो त्वचा को डैमेज कर सकती हैं. इसी के चलते आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि किन चीजों को त्वचा पर लगाने से पहले पैच टेस्ट करना चाहिए.

■ सबसे पहले जानें क्या होता है पैच टेस्ट

त्वचा पर कोई भी चीज

इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट करना जरूरी होता है. इसके लिए जिस भी चीज को आप त्वचा पर लगाना चाहते हैं उसे पहले अपनी कलाई या आपके कान के पिछले हिस्से पर थोड़ी मात्रा में लगाएं. अगर आपको इसमें थोड़ी सी भी परेशानी हो रही है या जलन हो रही है तो उसे तुरंत हटा दें और उस चीज का इस्तेमाल करने से बचें.

अगर परेशानी नहीं हो रही है तो प्रोडक्ट को रात भर के लिए ऐसे ही लगा रहने दें, ताकि इसका असर दिखाई दे. अब आइए आपको बताते हैं कि चेहरे पर किन घरेलू चीजों के इस्तेमाल से पहले पैच टेस्ट जरूरी है.

■ नींबू

नींबू को बहुत से लोग ब्लीच की तरह इस्तेमाल करते हैं. इसमें कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा की रंगत निखारने का काम करते हैं. पर, क्या आप जानते हैं कि नींबू को सीधा चेहरे पर लगाना खतरे से खाली नहीं है. इसके डायरेक्ट इस्तेमाल से जलन, सूजन, लालिमा, स्किन में ड्राइनेस बढ़ने से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. ऐसे में अगर घरेलू नुस्खे में नींबू का इस्तेमाल कर रहे हैं तो पहले पैच टेस्ट जरूर करें.

■ बेकिंग सोडा

अक्सर स्किन केयर प्रोडक्ट में बेकिंग सोडे का इस्तेमाल होता है. खासतौर पर टैनिंग हटाने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है. आपको बता दें कि बेकिंग सोडा काफी हार्श होता है. अगर आप बिना पैच टेस्ट के इसका इस्तेमाल करेंगे तो आपका चेहरा बिगड़ भी सकता है. बेकिंग सोडा को सीधे अपनी त्वचा पर तो कभी भी न लगाएं. इससे कई परेशानियां उत्पन्न हो सकती हैं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

पहले पत्नी की हत्या, फिर खुद को मारी गोली; पूर्व विधायक के बेटे ने सुसाइड किया

फिरोजाबाद. फिरोजाबाद के शिकोहाबाद के सुभाष तिराहा के पास डाहिनी के पूर्व प्रधान व पूर्व विधायक के बेटे ने अवसाद में आकर लाइसेंसी रिवाल्वर से पहले पत्नी को गोली मारी फिर खुद को मार ली। अस्पताल में पूर्व प्रधान को मृत घोषित कर दिया। बाद में गंभीर हाल पत्नी को मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। राकेश यादव (67) पुत्र जगदीश यादव निवासी सुभाष तिराहा शिकोहाबाद डाहिनी के प्रधान रहे थे। जबकि उनके पिता जगदीश यादव पूर्व विधायक हैं। वह एके इंटर कॉलेज में प्रबंधक थे। कॉलेज की खेती की करीब ढाई लाख रुपये के गबन का उनके ऊपर गांव के युवक ने आरोप लगाया था। कोर्ट में फिरोजाबाद में मुकदमा चल रहा था।

हनुमान मंदिर के चढ़ावे में 500-200 रुपए के नकली नोट; बैंक में जमा करने के दौरान खुलासा

प्रयागराज. प्रयागराज के सिविल लाइंस स्थित श्रीहनुमत निकेतन मंदिर के दानपात्रों से नकली नोट मिलने के बाद प्रशासन और जांच एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। बैंक में चढ़ावे की राशि जमा कराने के दौरान नोटों की जांच में यह मामला सामने आया। प्रशासन ने पूरे प्रकरण की जांच शुरू करा दी है और जांच रिपोर्ट मिलने के बाद संबंधित थाने में मुकदमा दर्ज कराने की बात कही है। जानकारी के अनुसार, मंदिर प्रबंधन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते न्यायालय ने 20 मार्च 2024 को मंदिर के संचालन के लिए जिलाधिकारी प्रयागराज को रिसीवर नियुक्त किया था। जिलाधिकारी ने मंदिर प्रबंधन की जिम्मेदारी एडीएम आपूर्ति विजय शर्मा को सौंपी थी। तब से मंदिर का संचालन जिला प्रशासन की निगरानी में किया जा रहा है और दानपात्रों से प्राप्त धनराशि नियमित रूप से बैंक खाते में जमा कराई जा रही है।

छोटे बेटे ने बाप को मार दी गोली, 6 बेटों के होते हुए वृद्धाश्रम में रह रहा था बुजुर्ग

प्रयागराज. यूपी के प्रयागराज से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। जहां घर से वृद्धाश्रम जाने के लिए निकले बुजुर्ग की उनके ही बेटे ने साथी के साथ मिलकर गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों आरोपी बाइक से फरार हो गए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी बेटे की पहचान की। उसकी तलाश में पुलिस ने कई ठिकानों पर दबिश दी।

शिवकुटी थाना क्षेत्र के लाला की सराय के रहने वाले 67 वर्षीय राम दुलारे कोरी सुबह करीब छह बजे घर से नैनी जा रहे थे। वह नैनी में ही कपड़े की एक दुकान में काम करते थे और वहीं एक वृद्धाश्रम में कई साल से रह रहे थे। करीब सात बजे लल्ला चुंगी चौराहे पर बाइक से आए दो युवकों ने उन्हें गोली मार दी। गोली सीने में लगी। मौके पर पहुंची पुलिस उन्हें तत्काल अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। तलाशी में मिले वृद्धाश्रम के पहचान पत्र से उनकी शिनाख्त हुई। खबर पाकर परिजन भी अस्पताल पहुंचे। एसीपी कर्नलगंज विमल किशोर मिश्रा ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक कराई, जिसमें दिखा कि बाइक से दो युवक आए।

भारतीय फौज ने उतारे गुलामी के दौर के निशान

- अब परेड में रिव्यूइंग अफसर तलवार नहीं रखेगा
- पहली बार फॉर्मल ड्रेस में बंदी जैकेट शामिल

नई दिल्ली. भारतीय सेना ने जवानों की यूनिफॉर्म से गुलामी के दौर की निशानियों को हटा दिया है। 174 पेज की नई 'आर्मी यूनिफॉर्म-2026' बुक में कॉलोनियल एरा के नियमों में भी बदलाव किया है। सेना का कहना है कि ये बदलाव भारत की संप्रभु पहचान और राष्ट्रीय भावना के मुताबिक किए गए हैं।

नए नियमों में रिव्यूइंग ऑफिसर के लिए परेड में तलवार रखना वैकल्पिक कर दिया गया है। वहीं, कुछ मैस ड्रेस के साथ इस्तेमाल होने वाली पाउच बेल्ट हटाई गई है। इसके साथ ही रॉयल जैसे पुराने शब्दों का इस्तेमाल बंद किया गया है।

पहली बार फॉर्मल सिविल ड्रेस में स्वदेशी बंदी जैकेट को भी शामिल किया गया है। बंद गले वाली बंदी जैकेट को फुल स्लीव शर्ट, फॉर्मल ट्राउजर और बंद जूतों के साथ पहना जा सकेगा।

सेना इससे पहले फरवरी 2023 में भी कई पुरानी परंपराएं खत्म कर चुकी है। इनमें समारोहों में घोड़ा-गाड़ी का इस्तेमाल, रिटायरमेंट के दौरान 'पुल आउट' इवेंट और डिनर में पाइप बैंड की परंपरा शामिल थी।

सभी रैंकों के लिए नई विंटर ड्रेस 3B
शुरू की गई है। इसमें अंगोला शर्ट, बैटल जैकेट और बेरेट शामिल हैं।

महिला अधिकारी सादे रंग की साड़ी
पहन सकती हैं। दुपट्टे के साथ कुर्ता-सलवार और एंकल-लेंथ स्ट्रेट पैंट पहन सकती हैं। स्लीवलेस कुर्त, पलाजो और सिगरेट पैंट अलाउ नहीं है।

महिला सैनिक-अफसर
लिपस्टिक, रंगीन नेल पॉलिश, बिंदी, नोज पिन नहीं पहन सकेंगी। सिंदूर लगाने की परमिशन है, लेकिन वह बेरेट या पीक कैप पहनने पर दिखाई नहीं देना चाहिए।

पूजा के दिन कलाई पर एक पवित्र धागे
को छोड़कर कोई ब्रेसलेट नहीं पहना जा सकता। सिख सैनिकों को छोड़कर दूसरे सैनिक धार्मिक चिन्ह पहनने की परमिशन नहीं है।

मूंछों की लंबाई 12 सेंटीमीटर
से ज्यादा नहीं हो सकती। यूनिफॉर्म में डिओ और परफ्यूम नहीं लगा सकेंगे। हालांकि आफ्टर-शेव लोशन यूज कर सकते हैं।

तलवार का इस्तेमाल भी लिमिटेड किया गया

नए नियमों के मुताबिक अब तलवार केवल परेड कमांडर, कंटिजेंट कमांडर और कुछ निर्धारित अधिकारी ही रख सकेंगे। खास तौर पर गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, सेना दिवस और गार्ड ऑफ ऑनर जैसे प्रमुख समारोहों में इसका इस्तेमाल किया जाएगा। नई गाइडलाइन में साफ कहा गया है कि रिव्यूइंग अफसर परेड के दौरान तलवार नहीं रखेंगे। सेना का कहना है कि इन बदलावों का मकसद परंपराओं को खत्म करना नहीं, बल्कि गुलामी के दौर की बची हुई निशानियों को आधुनिक भारतीय सोच के अनुरूप बनाना है।

बिना परमिशन शादी-पार्टी में यूनिफॉर्म पहनने पर रोक

मैनुअल में पर्सनल अपीयरेंस, मिलिट्री बिहेवियर और यूनिफॉर्म में कंडक्ट पर भी पूरी गाइडलाइन दी गई हैं। इसके अनुसार सैनिकों के बिना परमिशन दाढ़ी रखना, ऊट-पटांग हेयरस्टाइल, दिखने वाले इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, टैटू, बॉडी पियर्सिंग और मेकअप पर बैन रहेगा। साथ ही सेना से जुड़े अधिकारियों और जवानों को परमिशन नहीं होगी कि कि वे बिना इजाजत के पॉलिटिकल, धार्मिक या प्रोटेस्ट गैदरिंग, शादियों, प्राइवेट पार्टियों और पेड मीडिया इवेंट में यूनिफॉर्म पहनकर जाएं।

'अग्निपरीक्षा' से पहले ममता बनर्जी ने पार्टी में किया बड़ा बदलाव

- सायोनी घोष को भी लगाया साइड

कोलकाता. बंगाल में चुनाव के बाद टीएमसी में शुरू हुए बड़े संकट के बीच ममता बनर्जी पार्टी में बड़े बदलाव करने में जुटी हैं। उन्होंने चुनाव के दौरान 'काबा-मदीना' और अन्य गीत गाकर जनता को लुभाने की कोशिश करने वाली सायोनी घोष को युवा मोर्चे के अध्यक्ष पद से हटा दिया है और यह जिम्मेदारी अर्णब बनर्जी को दे दी है। सायोनी घष जाधवपुर से सांसद हैं। उन्हें एक सप्ताह पहले ही युवा मोर्चे का अध्यक्ष बनाया गया था।

- सायोनी घोष भी बाग़ी गुट में शामिल

सूत्रों की मानें तो ममता बनर्जी ने महिला मोर्चे की अध्यक्ष को भी बदल दिया है। कोलकाता दक्षिण से सांसद माला रॉय अब तक यह जिम्मेदारी संभाल रही थीं। अब ममता बनर्जी ने नादिया जिले की कालीगंज सीट से विधायक आलिफा अहमद को महिला मोर्चे का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया है। बताया जा रहा है कि सायोनी और माला रॉय दोनों ही बागी नेताओं के साथ शामिल हो गई हैं। टीएमसी के बागी सांसद सोमवार को लोकसभा स्पीकर से मिलकर अपने गुट को 'वास्तविक टीएमसी' घोषित करने का दावा पेश कर सकते हैं।

लोकसभा में एनडीए के समर्थन को तैयार बागी

जानकारी के मुताबिक सांसद संदीप बंद्योपाध्या भी बागी गुट में शामिल हो गए हैं। टीएमसी के 28 लोकसभा सांसद हैं जिनमें से 20 बागी गुट में शमिल हैं। सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने तो यहां तक कह दिया है कि उनके गुट को टीएमसी का तमगा मिलते ही वे संसद में बीजेपी की अगुआई वाली एनडीए सरकार का समर्थन कर देंगी।

बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा- पाटलिपुत्र स्टेशन पर पथराव-तोड़फोड़

- ट्रेनें रोकीं, छात्रों का आरोप- व्यवस्थाएं सही नहीं थीं
- पुलिस ने फायरिंग की, 6 गिरफ्तार

पटना. बिहार में आज सिपाही भर्ती परीक्षा हो रही है। परीक्षा शुरू होने से पहले पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन पर छात्रों ने जमकर हंगामा किया। परीक्षा देने पहुंचे छात्रों ने अव्यवस्थाओं का आरोप लगाया। मामले में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

छात्रों ने कई ट्रेनों को रोक दिया था। स्टेशन पर दुकानों, एग्जाम स्पेशल ट्रेन में तोड़फोड़ की। इसके चलते कांच के टुकड़े स्टेशन पर बिखर गए। IG जितेन्द्र राणा को हालात काबू करने के लिए फायरिंग करनी पड़ी।

मौके पर पहुंचे पटना के DM डॉ. त्यागराजन ने बताया कि आधी रात के करीब हमें खबर मिली कि कुछ लोग हंगामा कर रहे हैं। हमने उनसे गुजारिश की कि वे हंगामा न करें और परीक्षार्थियों का सहयोग करें। कुछ असामाजिक तत्वों ने बार-बार इमरजेंसी चेन खींची और तरह-तरह की मांगें रखीं, जैसे कि स्पेशल ट्रेनों की मांग, जबकि पहले से ही दो स्पेशल ट्रेनें चलाई गई थीं।

त्यागराजन ने यह भी बताया कि प्रदर्शनकारियों ने उन छात्रों को भी रोका, जो जाना चाहते थे। इन वजहों से हमें हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

मोदी फ्रांस में राष्ट्रपति मैक्रों से मिले

- PM ने कहा- दोनों देश एक सोच से आगे बढ़ रहे
- मैक्रों बोले- भारत इनोवेशन का देश

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के नीस शहर में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। दोनों ने 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम भारत, फ्रांस और अन्य देशों के स्टार्टअप्स और वेंचर कैपिटल फंड्स को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है।

मोदी ने कार्यक्रम में कहा- दुनिया में कुछ देशों के रिश्ते ऐसे होते हैं जो एक सोच और विजन से आगे बढ़ते हैं। भारत और फ्रांस का रिश्ता भी ऐसा ही है। दोनों देशों के संबंध सिर्फ व्यापार या कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि साझा मूल्यों, भरोसे और भविष्य के लिए एक जैसी सोच पर आधारित हैं।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा- भारत इनोवेशन का देश है। फ्रांस रक्षा, तकनीक और कई अन्य क्षेत्रों में 'मेक इन इंडिया' का भागीदार रहा है।AI और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत और फ्रांस के बीच सच्ची रणनीतिक साझेदारी है।

मैक्रों ने कहा- नागरिक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की बड़ी संभावनाएं हैं। स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (SMR) जैसी नई परमाणु तकनीकों में भी भारत और फ्रांस साथ काम कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी भारतीय समयानुसार शनिवार रात फ्रांस पहुंचे थे। होटल में भारतीय समुदाय ने उनका स्वागत किया।

पर्यटकों की कार पर चट्टान गिरने से 2 की मौके पर मौत

पिथौरागढ़. उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां दारमा घाटी में भूस्खलन होने से एक बड़ी चट्टान पर्यटकों की कार के ऊपर जा गिरी। इससे वाहन बुरी तरह कुचल गया। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। रेस्क्यू टीम ने तीन अन्य बुरी तरह घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। जानकारी के अनुसार, धारचूला के दारमा घाटी में पंचाचूली दर्शन कर वापस लौट रहे पर्यटकों की कार पर भूस्खल की चपेट में आ गई। अचानक पहाड़ी से बोल्डर गिर आएं। हादसे में दो लोगों की मौत होना बताया जा रहा है।

बंगाली भाषा न आने की वजह से गई जान

पश्चिम बंगाल में रास्ता भटका केरल का युवक

कोलकाता. पश्चिम बंगाल से एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां कुलतलि इलाके में रास्ता भूलकर भटक रहे केरल निवासी एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है। स्थानीय पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज करके दो नाबालिगों और पांच व्यक्तियों समेत सात लोगों को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जानकारी के आधार पर लोगों ने चोर समझकर व्यक्ति के साथ मारपीट की थी, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, कुलतलि थाना क्षेत्र के शंकिजहान में केरल निवासी एक व्यक्ति की चोरी के आरोप में हत्या कर दी गई है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, मृतक व्यक्ति काम के सिलसिले में अपने एक परिचित व्यक्ति से मिलने के लिए शंकिजहान में आया था। लेकिन वह रास्ता भटककर दूसरे मोहल्ले में पहुंच गया। अपरिचित व्यक्ति को भटकते देखकर मोहल्ला के लोगों ने उससे पूछताछ की लेकिन वह अपने बारे में जानकारी नहीं दे पाया।

भाषा न आने की वजह से हुई गलतफहमी

स्थानीय लोगों के मुताबिक, वह अपनी भाषा में बात कर रहा था, जबकि लोगों ने बंगाली भाषा में उससे सवाल करना जारी रखा। इसके बाद मामला बढ़ गया और कुछ युवकों ने उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। बाद में उसे रस्सी के सहारे एक पेड़ से बांध दिया गया और जमकर मारपीट की गई। इसके बाद कई घंटों तक उसके साथ मारपीट की गई।

BJP नेता के मर्डर के बाद बवाल

- पत्नी ने आरोपियों के घर ईंट बरसाई
- मीडिया-पुलिस पर पथराव; 3 घर-ट्रैक्टर जलाए

देहरादून. देहरादून के बैरागीवाला गांव में हिंदू और मुस्लिम पक्ष के बीच हुए विवाद में भाजपा से जुड़े विनोद कुमार की हत्या के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। रविवार को गुस्साई भीड़ ने देहरादून-हरबर्टपुर हाईवे, जो हिमाचल प्रदेश को जोड़ता है, जाम कर दिया। मौके पर आला अधिकारी लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं।

मृतक की पत्नी ने आरोपियों के घर पर ईंटें फेंकीं, जिन्हें पुलिस ने वहां से हटा दिया। इससे पहले गुस्साए लोगों ने आरोपियों के 3 घरों और एक ट्रैक्टर में आग लगा दी। मौके पर पहुंची पुलिस और मीडिया पर भी पथराव किया गया। इस दौरान एसपी सिटी समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए।

भीड़ ने पुलिस अधिकारियों के साथ अभद्रता भी की। हालात बिगड़ते देख पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इसके बाद गांव में भारी पुलिस बल और पीएसी तैनात कर दी गई। किसी भी बाहरी व्यक्ति के गांव में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। कुछ समय के लिए इंटरनेट सेवा भी बंद की गई थी, जिसे करीब तीन घंटे बाद बहाल कर दिया गया।

ब्राजील-बंजी जम्पिंग के दौरान रस्सी बांधे बिना फेंका

- 21 साल की युवती की मौत
- पुलिस ने 6 लोगों को हिरासत में लिया

साओ पाउलो. ब्राजील के साओ पाउलो राज्य में बंजी जंपिंग के दौरान एक हादसे में 21 साल की युवती की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कर्मचारियों ने युवती को सेफ्टी रोप लगाए बिना ही पुल से छलांग लगवा दी, जिससे वह 130 फीट से ज्यादा गहराई में जा गिरी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक युवती की पहचान मारिया एडुआर्डा रोड्रिग्स डी फ्रेटास के रूप में हुई है। वह एक निजी कंपनी की ओर से आयोजित बंजी जंपिंग एक्टिविटी में हिस्सा लेने पहुंची थी। यह हादसा स्केलेटन ब्रिज पर हुआ। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि कर्मचारी युवती को पुल के किनारे लेकर जाते हैं और उसे नीचे छोड़ देते हैं। जैसे ही वह गिरने लगती है, वहां मौजूद लोगों को एहसास होता है कि उसकी सेफ्टी रोप नहीं बंधी है।

वीडियो में कई लोग जोर से चिल्लाते सुनाई देते हैं, ₹रोप... रोप...₹, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और युवती गहरी खाई में गिर चुकी थी। पुलिस ने घटना के बाद मौके से छह लोगों को हिरासत में लिया है।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

इस हादसे के बाद एडवेंचर टूरिज्म स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। लिमेरा के मेयर मुरिलो फ्लिक्स ने कहा कि सिटी एडमिनिस्ट्रेशन इस मामले की शिकायत ब्राजील की सरकार से करेगा और सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की मांग करेगा। उन्होंने कहा कि लंबे समय से जोखिम वाले इस क्षेत्र में पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए हैं और अब जिम्मेदारी तय करना जरूरी है। पुलिस जांच कर रही है कि सेफ्टी प्रोसेस में कहां चूक हुई, कर्मचारियों की क्या जिम्मेदारी थी और क्या बंजी जंपिंग से पहले तय सभी सुरक्षा नियमों का पालन किया गया था।

भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

- पहले वनडे में कप्तान गिल ने नाबाद 84 रन बनाए
- डेब्यू कर रहे गुरनूर-हर्ष को 3-3 विकेट

भारत ने अफगानिस्तान को पहले वनडे में 7 विकेट से हरा दिया। टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। धर्मशाला में बारिश की वजह से 25-25 ओवर का मैच खेला गया। भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। अफगानिस्तान की टीम 24.5 ओवर में 194 रन पर ऑलआउट हो गई। रहमानुल्लाह गुरबाज ने 48 गेंदों में अपना नौवां वनडे शतक लगाया। उन्होंने 8 चौके और 8 छक्के की मदद से 102 रन की पारी खेली।

195 रन का पीछा कर रही भारत ने 22.5 ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। कप्तान शुभमन गिल ने 66 बॉल पर नाबाद 84 रन बनाए। केएल राहुल 39 रन बनाकर नाबाद रहे। उनके अलावा ईशान किशन ने 34 रन की पारी खेली।

भारत की ओर से डेब्यू कर रहे हर्ष दुबे और गुरनूर बरार ने 3-3 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह और नीतीश कुमार रेड्डी को 2-2 विकेट मिले। सीरीज का दूसरा मुकाबला 17 जून को लखनऊ में खेला जाएगा।

बेकार समझा जाने वाला कैक्टस बना किसानों का 'ब्लू गोल्ड'

- मेक्सिको में 1.4 लाख करोड़ रुपए की टकीला इंडस्ट्री
- इसके लिए कच्चा माल भेज रहे भारतीय किसान

नई दिल्ली. भारत में एक कांटेदार रेगिस्तानी पौधे ने नई ड्रिंक्स इंडस्ट्री को जन्म दे दिया है। आंध्र प्रदेश के कांदुकुर में ज्यादातर किसान पहले टमाटर, मूंगफली और मक्का उगाते थे। 2010 में कुछ व्यापारी एगेव अमेरिकाना नाम के कैक्टस की तलाश में कांदुकुर पहुंचे। इसे किसान बेकार समझकर खेत की बाड़ के रूप में लगाते थे। बीबीसी वर्ल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, यही एगेव कैक्टस मेक्सिको की 1.4 लाख करोड़ रुपए की टकीला और मेजकल इंडस्ट्री की रीढ़ है।

मेक्सिको के जलिस्को राज्य में सिर्फ चुनी हुई जगहों पर उगने वाला 'ब्लू एगेव' टकीला बनाने के लिए मान्य है। भारत में अभी इसकी कमर्शियल खेती नहीं होती। किसान और उद्यमी जंगली एगेव इकट्ठा करते हैं। कांदुकुर में अब 100 किमी के दायरे में कई गांवों के किसान डिस्टिलरीज को बड़े पैमाने पर सप्लाई कर रहे हैं। इसके लिए उन्हें अच्छी कीमत मिलती है। इसीलिए इसे 'ब्लू गोल्ड' कहा जाने लगा है।

एगेव की खेती मुश्किल है। पौधे का सबसे अहम हिस्सा 'पीना' (अनानास जैसा दिखने वाला कोर) होता है, जिसमें शुगर जमा होती है, लेकिन जैसे ही पौधा फूल देने लगता है, सारी शुगर तेजी से ऊपर तने की ओर चली जाती है और पीना बेकार हो जाता है। किसानों के मुताबिक, पौधे को फूल आने से ठीक पहले काटना पड़ता है। काटने के बाद 24 घंटे के भीतर इसे प्रेशर कुकर तक पहुंचाना जरूरी है, वरना शुगर सड़ने लगती है। स्वाद खराब हो जाता है।

भारत में एगेव स्पिरिट का बाजार सालाना 31% बढ़ रहा है। अब उपभोक्ता नए स्पिरिट्स आजमाने के लिए ज्यादा खुले हैं, हालांकि एगेव ड्रिंक्स व्हिस्की की जगह नहीं ले सकतीं, लेकिन यह अपना अलग बाजार बना सकती हैं।

2011 में भारत की पहली एगेव डिस्टिलरी शुरू करने वाले डेसमंड नजारेथ सैटेलाइट इमेजरी की मदद से इसकी खेती के लिए जमीन तलाश रहे हैं। एक बार गलत जगह लगाने पर 9-13 साल की मेहनत बेकार हो सकती है। हालांकि भारत और मेक्सिको के मॉडल में बड़ा फर्क है। मेक्सिको में दशकों की सेलेक्टिव ब्रीडिंग से एगेव की क्वालिटी एक जैसी है, जबकि भारत में शुगर की मात्रा अलग-अलग है। इससे प्रोडक्शन स्टैंडर्डाइज करना मुश्किल है। यही वजह है कि 'लोका लोका' जैसे ब्रांड अब भी मैक्सिको से ब्लू एगेव मंगाते हैं।

मेक्सिको में जलिस्को राज्य की लाल मिट्टी में वर्षों से एगेव की व्यवस्थित खेती होती है। भारत में अभी एगेव की संगठित खेती नहीं होती। कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान और आंध्र प्रदेश में बिखरे जंगली पौधों को स्थानीय एजेंट इकट्ठा करते हैं। डेक्कन पठार के लाखों एकड़ उपयुक्त जमीन के साथ भारत भविष्य में मेक्सिको को टक्कर दे सकता है।

नशे का गढ़ बन रहा पूर्वोत्तर का राज्य मिजोरम

- म्यांमार से नशे की सीधे होम डिलीवरी
- 3 साल में करीब 4000 किलो ड्रग्स जब्त हुई

आइजोल. रात के करीब साढ़े 11 बजे हैं। मिजोरम की राजधानी आइजोल में पारा गिर रहा है और सड़कें लगभग सुनसान हैं। लेकिन, इस सन्नाटे में साधारण कपड़े पहने कुछ युवक हाथों में टॉर्च और लकड़ी के डंडे लिए नजर आए। पूछने पर पता चला कि ये पुलिस नहीं, बल्कि 'यंग मिजो एसोसिएशन' (वाईएमए) के वॉलेंटियर्स हैं, जो सूबे की रगों में घोले जा रहे म्यांमार के सिंथेटिक ड्रग्स 'आइस' से अगली पीढ़ी को बचाने के लिए पहरा दे रहे हैं।

मिजोरम इस समय अपने इतिहास के सबसे भयावह नशा संकट से जूझ रहा है। म्यांमार की 500 किमी लंबी खुली सीमा से आने वाले खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स ने राज्य के सामाजिक ताने-बाने को बिखेर दिया है। पिछले साल इस ड्रग्स ने 118 तो इस साल अब तक 21 जानें ले ली हैं। म्यांमार सीमा से सटा चंफाई जिला इसका मुख्य कॉरिडोर है। बीते 3 साल में यहां से करीब 4 हजार किलो ड्रग्स जब्त हुई। चौंकाने वाली बात यह है कि पूरा कारोबार डिजिटली हो रहा है।

संक्षेप...

26वें मंजिल पर कचरा पेटी में मिला नवजात शिशु

ठाणे. ठाणे शहर के कापूरबावडी पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत माजीवाड़ा इलाके के एक एक बड़े हाउसिंग कॉम्प्लेक्स की 26वीं मंज़िल पर कूड़ेदान में एक नवजात शिशु मिलने से सनसनी फ़ैल गयी. सुबह जब 26वीं मंज़िल पर कचरा उठाने आए एक कर्मचारी कूड़ेदान से कचरा निकालने लगा तो उसमें एक नवजात बच्चा मिला.कर्मचारी ने इस घटना की जानकारी ने तुरंत हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के प्रबंधन को दी. नवजात शिशु प्लास्टिक की थैली में लिपटा हुआ था.

प्रणित मोरे पर महाराष्ट्र सरकार का बड़ा एक्शन

- साइबर पुलिस करेगी कॉमेडियन के सभी वीडियो की जांच

मुंबई. '370 रुपये की बिरयानी' वाले विवाद ने अब नया मोड़ ले लिया है. मामला सिर्फ सोशल मीडिया बहस तक सीमित नहीं रहा. अब महाराष्ट्र सरकार भी इस पूरे मामले की जांच में सक्रिय हो गई है. स्टैंड-अप कॉमेडियन प्रणित मोरे की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं. सरकार ने उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद कंटेंट की की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं.

महाराष्ट्र गृह विभाग ने इस जांच की जिम्मेदारी महाराष्ट्र साइबर पुलिस को सौंपी है. साइबर पुलिस अब प्रणित मोरे के सोशल मीडिया अकाउंट्स, ऑनलाइन वीडियो, अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर शोज की रिकॉर्डिंग और वायरल क्लिप्स की जांच करेगी. और बिना सहमति से जुड़े प्रदर्शन से जुड़ा है. वीडियो सामने आने के बाद इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर भी काफी चर्चा हुई और लोगों ने सवाल उठाए. जांच एजेंसियां यह

पता लगाने की कोशिश करेंगी कि क्या किसी वीडियो में ऐसी बातें कही गई हैं जो कानून का उल्लंघन करती हैं या किसी वर्ग, व्यक्ति अथवा महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं.

दरअसल, यह विवाद सोशल मीडिया पर वायरल हुए शो के एक वीडियो से शुरू हुआ. वीडियो में प्रणित मोरे ऑडियंस में बैठे एक शख्स हिमांशु जांगड़ा से बात करते हैं. बातचीत के दौरान जांगड़ा अपना डेटिंग अनुभव बताते हैं कि उन्होंने एक महिला को 370 रुपए की चिकन बिरयानी खिलाई थी और इसलिए वह वसूली करना चाहता था. इस कमेंट पर शो के दौरान प्रणित मोरे ने हंसते हुए इसे 'पीक गुरुग्राम कंटेंट' बताया. शो का वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ. जब विवाद बढ़ा तो प्रणित मोरे ने '370 की बिरयानी' वाले वीडियो को लेकर माफी मांगी. उन्होंने शनिवार को इंस्टाग्राम पर अपना वीडियो जारी किया. इसमें उन्होंने कहा कि वे लंबे समय से इस मुद्दे पर बात करना चाहते थे, लेकिन उनका इंस्टाग्राम अकाउंट सस्पेंड था.

उन्होंने कहा, '370 रुपए की बिरयानी वाले वीडियो के बाद मुझसे लोग काफी नफरत कर रहे थे. मैं इसका हकदार हूं. शो के दौरान एक व्यक्ति ने कई आपत्तिजनक बातें कही थीं. लोग हंस रहे थे, जिससे मैं भी माहौल में बह गया और सही फैसला नहीं ले पाया'.

उन्होंने आगे कहा, 'मैं चाहता तो उस व्यक्ति को तभी रोक सकता था, लेकिन ऐसा न करके मैंने उसे एक प्लेटफॉर्म दिया, जिससे मामला और बढ़ गया. इससे जिन लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं, मैं उन सबसे माफी मांगता हूं. मैं मामले में चल रही लीगल प्रोसीडिंग में अधिकारियों का पूरा सहयोग कर रहा हूं. मैं आप सभी से बस यही रिक्वेस्ट करता हूं कि मुझे एक और मौका दें, मैं बेहतर इंसान बन कर दिखाऊंगा.'

नासिक के कार्पोरेटर भिवंडी के रिसॉर्ट में रुके

भिवंडी. नासिक स्थानीय स्वराज्य संस्था चुनाव से लेजिस्लेटिव काउंसिल की बगावत करने वाले BJP के गोकुल गीते के हटने के बाद महायुति से शिवसेना कैंडिडेट नरेंद्र दराडे का रास्ता साफ हो गया है, लेकिन शनिवार आधी रात के बाद एहतियात के तौर पर नासिक के कई नगरसेवक भिवंडी तालुका के अंजुर में साया गार्डन रिसॉर्ट में सुरक्षित जगह पर शिफ्ट कर दिए गए हैं। सांसद नरेश म्हस्के और ठाणे पालघर लोकल बॉडी चुनाव क्षेत्र से लेजिस्लेटिव काउंसिल के लिए बिना किसी विरोध के चुने गए रवींद्र फाटक ने देर रात वहां जाकर नगरसेवकों से बातचीत की।

अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं, ठाणे के लोग डरे हुए हैं

तलावपाली मर्डर के बाद कांग्रेस का हमला!

ठाणे. तलावपाली इलाके में हुई चौंकाने वाली मर्डर की घटना के बाद, ठाणे जिला शहर कांग्रेस ने शहर में बढ़ते क्राइम और ड्रग्स के इस्तेमाल के खिलाफ़ एलगार का आह्वान किया है। नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए, कांग्रेस ने प्रशासन से तुरंत कदम उठाने की मांग की है।घटना के बाद, कांग्रेस ने पुलिस प्रशासन, ठाणे मनपा और अतिक्रमण के अधिकारियों के साथ तलावपाली इलाके का दौरा किया।इस दौरान, इलाके में संदिग्ध हरकतों, ड्रग्स के आदी लोगों, ड्रग्स बेचने वालों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ़ तुरंत कार्रवाई की मांग की गई।तलावपाली जैसी भीड़भाड़ वाली और ज़रूरी जगह पर हुई मर्डर की घटना से नागरिकों में डर का माहौल बन गया है, और कांग्रेस ने कानून-व्यवस्था को मज़बूत करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। इलाके में 24 घंटे पुलिस की मौजूदगी, पेट्रोलिंग बढ़ाने, असरदार CCTV नेटवर्क और ड्रग्स के खिलाफ़ एक खास कैंपेन चलाने की भी मांग की गई।कांग्रेस ने कहा, ₹ठाणेकरों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। शहर में बढ़ते क्राइम और ड्रग माफिया के असर को रोकने के लिए प्रशासन को कार्रवाई करनी चाहिए।साथ ही, चेतावनी दी गई कि अगर प्रशासन नागरिकों को सुरक्षित माहौल देने में नाकाम रहता है और मांगों को नज़रअंदाज़ किया जाता है, तो कांग्रेस एक मज़बूत जन आंदोलन शुरू करेगी।

'हंसी से दूर होता है तनाव'

- ठाणे साइकेट्रिक हॉस्पिटल में लाफ्टर थेरेपी प्रोग्राम
- मरीज़ों, डॉक्टरों और स्टाफ़ को मिलती है पॉज़िटिव एनर्जी और मेंटल फ्रेशनेस

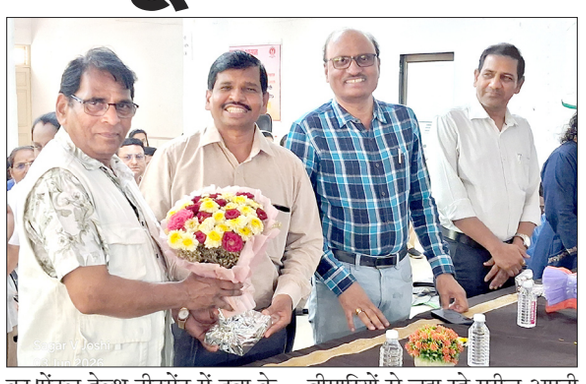

ठाणे. जब हम किसी हॉस्पिटल के बारे में सोचते हैं, तो आमतौर पर हमारे दिमाग में गंभीर चेहरे, दवा और चिंता का माहौल आता है। लेकिन, हाल ही में ठाणे के रीजनल साइकेट्रिक हॉस्पिटल में थोड़ी अलग तस्वीर देखने को मिली। हंसी की आवाज़, तालियों और चेहरों पर खुशी भरी मुस्कान ने पूरे इलाके को खुश कर दिया। मौका था लाफ्टर थेरेपी प्रोग्राम का।मेंटल हेल्थ ट्रीटमेंट में दवा के साथ-साथ खुशी, पॉज़िटिविटी और इमोशनल सपोर्ट की अहमियत को समझते हुए, रीजनल साइकेट्रिक हॉस्पिटल ने यह इनोवेटिव प्रोग्राम ऑर्गनाइज़ किया। जाने-माने कॉमेडियन एन. अशोक ने अपने सिंपल स्टाइल में मरीज़ों, डॉक्टरों, नर्सों और स्टाफ़ को ज़ोर-ज़ोर से हंसाया।आमतौर पर, मेंटल बीमारियों से जूझ रहे मरीज़ अपनी ज़िंदगी में स्ट्रेस, एंग्ज़ायटी और डिप्रेशन का सामना करते हैं। ऐसे में, दिल खोलकर हंसी के कुछ पल उनके लिए नई उम्मीद का ज़रिया बन सकते हैं। प्रोग्राम के दौरान कई मरीज़ों ने अपने आप हिस्सा लिया। कुछ लोगों के चेहरों पर कई दिनों बाद आई मुस्कान ने वहां मौजूद लोगों के दिल को भी छू लिया।डिप्टी डायरेक्टर ऑफ़ हेल्थ डॉ. अशोक नंदापुरकर की अध्यक्षता और मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. नेताजी मुलिक के गाइडेंस में 'वर्कप्लेस पर स्ट्रेस मैनेजमेंट' के मकसद से एक लाफ्टर थेरेपी प्रोग्राम ऑर्गनाइज़ किया गया। इस प्रोग्राम ने डॉक्टरों, नर्सों और कर्मचारियों को कुछ समय के लिए रोज़ के स्ट्रेस से छुटकारा पाने और पॉजिटिव एनर्जी और मेंटल फ्रेशनेस महसूस करने का मौका दिया।साइकेट्री के फील्ड के एक्सपर्ट्स के मुताबिक, हंसने से शरीर में पॉजिटिव केमिकल्स बनते हैं। स्ट्रेस कम होता है, कॉन्फिडेंस बढ़ता है और इलाज के प्रोसेस के लिए अच्छा माहौल बनता है। इसलिए, आज पूरी दुनिया में लाफ्टर थेरेपी को एक कॉम्प्लिमेंट्री इलाज के तरीके के तौर पर अपनाया जा रहा है।

कोपरी में बेतरतीब पार्किंग पर नो एंट्री

- ट्रैफिक जाम पर लोगों और पुलिस ने बातचीत की
- समस्याओं को हल करने के लिए मिलकर की गई पहल

ठाणे. शहर में बढ़ते ट्रैफिक जाम के बीच, कोपरी ट्रैफिक ब्रांच में स्थानीय लोगों और ट्रैफिक अधिकारियों की एक छोटी सी मीटिंग रखी गई। इसका मकसद लोगों की समस्याओं को सीधे जानना और असरदार कदम उठाना था। इस मीटिंग में इलाके में ट्रैफिक सिस्टम की समस्याओं, उनके समाधान और लोगों की भागीदारी पर विस्तार से चर्चा की गई। क्योंकि कोपरी इलाका ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, ठाणे रेलवे और पूर्वी बस स्टेशन और अलग-अलग उपनगरों को जोड़ने वाला एक ज़रूरी ट्रांसपोर्ट रूट है, इसलिए सुबह और शाम को गाड़ियों की ज़्यादा संख्या के कारण यहां ट्रैफिक जाम हो जाता है। पुलिस उपायुक्त (ट्रैफिक) पंकज शिरसाठ के गाइडेंस में,सहायक पुलिस आयुक्त संध्या भिसे और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक कोपरी ट्रैफिक दिलीप पाटिल की मौजूदगी में, इस मीटिंग में लोगों के सुझावों को प्राथमिकता दी गई।लोगों ने बारा बंगला इलाके में ट्रैफिक जाम, ठाणे रेलवे स्टेशन इलाके में रिक्शा का मैनेजमेंट, बेतरतीब और गैर-कानूनी पार्किंग, और ट्रैफिक नियमों को अच्छे से लागू करने से जुड़े कई मुद्दे उठाए। ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि बिना इजाज़त पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई करने ऐसी गतिविधियां आगे भी जारी रहेंगी।

पुलिस और लोगों के बीच संवाद व सहयोग जरूरी

इस मौके पर, यह बताया गया कि ट्रैफिक की समस्याओं को हल करने के लिए पुलिस और लोगों के बीच लगातार बातचीत और सहयोग ज़रूरी है। लोगों की भागीदारी से ट्रैफिक अनुशासन के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने और इलाके में ट्रैफिक को सुरक्षित और आसान बनाने का फैसला किया गया।अगर कोई गाड़ी बिना इजाज़त पार्किंग में खड़ी मिलती है, तो लोग फोटो के साथ जानकारी WhatsApp नंबर 86556 54176 पर भेजें। संबंधित शिकायत पर तुरंत ध्यान दिया जाएगा और ज़रूरी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, शिकायत करने वाले का नाम भी गोपनीय रखा जाएगा।

बिल्डरों-डेवलपर्स को महानगर पालिका का नोटिस

भिवंडी मनपा के कंस्ट्रक्शन नियमों की अनदेखी प्रदूषण कंट्रोल उपाय लागू करने का निर्देश

भिवंडी. भिवंडी शहर का परिसरह प्रदूषण की गंभीर समस्या के कारण मुश्किल बनता जा रहा है. हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, भिवंडी मनपा प्रशासन ने तुरंत 191 हाउसिंग और कमर्शियल कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स को प्रदूषण कंट्रोल नियमों का पालन करने के लिए नोटिस जारी किया है। महानगर पालिका ने संबंधित बिल्डरों और डेवलपर्स को तुरंत जरूरी प्रदूषण कंट्रोल उपाय लागू करने का भी निर्देश दिया है। इससे बिल्डर ग्रुप में हलचल है और नोटिस रद्द करने की होड़ मची हुई है।

भिवंडी महानगर पालिका के अर्बन प्लानिंग डिपार्टमेंट ने डेवलपर्स को जारी नोटिस में बताया है कि बड़े शहरों में साफ हवा का लेवल फिलहाल खराब हो रहा है। इस संबंध में बताए गए आदेश के अनुसार, बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा दिए गए गाइडलाइंस का पालन करना अनिवार्य है. इसकी कंस्ट्रक्शन परमिशन लेटर में एक शर्त बताई गई है। इसके अनुसार, भिवंडी मनपा इलाके में एयर पॉल्यूशन को कंट्रोल करने के लिए म्युनिसिपल लेवल पर एक कमेटी बनाई गई है। यह कमेटी यह जांचने

के लिए कार्रवाई करेगी कि बॉम्बे हाई कोर्ट के बताए गए ऑर्डर में दी गई गाइडलाइंस का पालन हो रहा है या नहीं और इसकी रिपोर्ट सरकार लेवल की कमेटी को भेजेगी।

हालांकि, यह देखा गया है कि कंस्ट्रक्शन परमिशन की शर्तों का सख्ती से पालन नहीं किया जा रहा है। इसके अनुसार, यह कहा गया है कि एक महीने के अंदर साइट पर नीचे दी गई गाइडलाइंस का पालन किया जाना चाहिए। मनपा अधिकारियों के मुताबिक, कई कंस्ट्रक्शन साइट्स पर वॉटर फॉगिंग सिस्टम नहीं लगाए गए हैं।

कंस्ट्रक्शन मटीरियल को ढकने के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है और धूल कंट्रोल के लिए दूसरे ज़रूरी उपाय भी लागू नहीं किए गए हैं। इस वजह से आसपास के इलाकों में प्रदूषण का लेवल लगातार बढ़ रहा है।

भिवंडी शहर पहले से ही खराब एयर क्वालिटी से जूझ रहा है। सड़कों पर धूल, कंस्ट्रक्शन का मलबा और इंडस्ट्रियल यूनिट्स से निकलने वाले एमिशन की वजह से लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है।

मनपा के सूत्रों के मुताबिक, यह कैंपेन अभी शुरुआत है। पहले फेज में बड़े कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स को नोटिस जारी किए गए हैं। इस बारे में एक जॉइंट टीम रेगुलर इंस्पेक्शन कर रही है। मनपा के डिप्टी कमिश्नर बालकृष्ण क्षीरसागर और पर्यावरण विभाग के अधिकारी सुनील भोईर ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रोजेक्ट्स को नोटिस जारी किए जा रहे हैं और अगर तय समय में सुधार नहीं किया गया तो सज़ा वाली कार्रवाई की जाएगी।

52 लाख का कोडीनयुक्त सिरप जब्त, 4 गिरफ्तार

मुंबई. मालाड पश्चिम में पुलिस ने कोडीन फॉस्फेट युक्त सिरप की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के कब्जे से कुल 4,734 बोतलें बरामद की गई हैं, जिनकी कीमत 52 लाख 7 हजार 400 रुपये बताई गई है. मामले में एनडीपीएस अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है. शनिवार को शाम करीब 4 बजे सुमननगर रेजिडेंसी, गजानंद गुप्ता जल टंकी केंद्र के पास, एस.वी. रोड स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के सामने मालाड (पश्चिम) में अपराध शाखा यूनिट-11, कांदिवली की टीम ने चार लोगों को कोडीन फॉस्फेट युक्त सिरप की 153 बोतलों के साथ पकड़ लिया.

मौनी रॉय बोलीं - सबसे अजीब अफवाह थी मैं गे हूं

- सेक्शुअलिटी की अटकलों पर तोड़ी चुप्पी
- मुश्किल समय में दोस्तों के सपोर्ट का किया जिक्र

एक्ट्रेस मौनी रॉय ने हाल ही में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी सोशल मीडिया चर्चाओं और अफवाहों पर खुलकर बात की। मोनिका शर्मा के डिजिटल टॉक शो में उनसे पूछा गया कि बॉलीवुड में आने के बाद उन्होंने अपने बारे में सबसे अजीब अफवाह कौन-सी सुनी। इस पर मौनी ने जवाब दिया, "यह कि मैं गे हूं।"

मौनी ने इस सवाल का जवाब हल्के अंदाज में दिया और साफ किया कि वह ऐसी अटकलों को गंभीरता से नहीं लेतीं। पिछले कुछ समय से उनकी निजी जिंदगी चर्चा में रही है और सोशल मीडिया पर उनके रिश्तों व दोस्ती को लेकर कई तरह के अनुमान लगाए जाते रहे हैं।

मौनी ने कहा कि उनके अच्छे-बुरे और मुश्किल दौर में करीबी महिला दोस्तों ने हमेशा साथ दिया। उनके मुताबिक मजबूत दोस्ती और सपोर्ट सिस्टम किसी भी इंसान को मुश्किल समय से बाहर आने में मदद करता है।

एक्ट्रेस ने युवा महिलाओं के लिए संदेश देते हुए कहा कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और भावनात्मक रूप से मजबूत बनना चाहिए। उनके मुताबिक आत्मनिर्भरता सिर्फ करियर नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक मजबूती से भी जुड़ी होती है।

मौनी ने कहा कि लोगों की राय और सोशल मीडिया की प्रतिक्रियाएं आती-जाती रहती हैं, लेकिन सबसे जरूरी खुद को समझना और अपने फैसलों पर भरोसा रखना है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को मजबूत सपोर्ट सिस्टम बनाना चाहिए और अपनी पहचान किसी बाहरी धारणा से तय नहीं होने देनी चाहिए।

40 हैलोजन चोरी करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

मुंबई. मुंबई पुलिस की कांदिवली पुलिस ने हनुमान जयंती समारोह के दौरान हुई हैलोजन लाइट चोरी के दो मामलों का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने कांदिवली पश्चिम स्थित पोइसर जिमखाना टर्फ और काला हनुमान मंदिर के बाहर लगाए गए अस्थायी मंडप से कुल 40 हैलोजन लाइटें चोरी की थीं।

गिरफ्तार आरोपियों में एक इवेंट ऑर्गेनाइजर भी शामिल है, जो सजावट, लाइटिंग और मंडप लगाने का व्यवसाय करता था। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पोइसर जिमखाना से 22 और मंदिर परिसर से 18 हैलोजन लाइटें चुराई थीं। चोरी गए सामान की कीमत करीब 1.5 लाख रुपये बताई गई है।

जांच के दौरान पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की गई सभी 40 हैलोजन लाइटें बरामद कर लीं। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि क्या यह गिरोह शहर के अन्य चोरी के मामलों में भी शामिल रहा है। आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

बच्चों से नाले की सफाई कराने का आरोप

मुंबई. मुंबई के वडाला इलाके से सामने आए एक वायरल वीडियो ने सोशल मीडिया पर भारी नाराजगी पैदा कर दी है। वीडियो में कुछ बच्चों को कथित तौर पर नाले की सफाई करते हुए देखा जा सकता है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बच्चों के पास दस्ताने, बूट या अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरण नहीं दिखाई दे रहे हैं।

वीडियो में बच्चे गंदे पानी और कचरे से भरे नाले की सफाई करते नजर आते हैं। उन्हें लकड़ियों और हाथों की मदद से कचरा निकालते हुए देखा गया, जिससे बाल श्रम और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने संबंधित ठेकेदारों और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कई लोगों ने सवाल उठाया कि जब नाला सफाई के लिए आधुनिक

मशीनें उपलब्ध हैं, तो बच्चों और मजदूरों को इस तरह खतरनाक परिस्थितियों में क्यों उतारा जा रहा है।

इस घटना ने मुंबई में नाला सफाई कार्यों में सुरक्षा मानकों, ठेकेदारों की जवाबदेही और बाल श्रम जैसे मुद्दों को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है। मामले को लेकर कड़ी जांच और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग तेज हो गई है।

आम सूचना

मैं श्रीमती नीलाबाई भाऊराव राथोर सभी को सूचित कर रही हूं कि शॉप नं. 4, रुम नं. 1, बैरक नं. 437, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 22बीआय021759100) उक्त प्रॉपर्टी श्री दीपक नंदलाल रोहरा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 24.6.2022 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती नीलाबाई भाऊराव राथोर

आम सूचना

मैं श्रीमती नीलाबाई भाऊराव राथोर सभी को सूचित कर रही हूं कि शॉप नं. 2, रुम नं. 1, बैरक नं. 437, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 22बीआय021758900) उक्त प्रॉपर्टी श्री दीपक नंदलाल रोहरा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 24.6.2022 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती नीलाबाई भाऊराव राथोर

आम सूचना

मैं श्री विनोद सुदर्शन राजभर सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, 300 चौ.फुट, हनुमान नगर, ओटी सेक्शन, न्यू एमआयडीसी वाटर टैंक के पास, उल्हासनगर- 2 (टैक्स नं. 19बीओ020528500) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती पुष्पा वेंकटेश नायक से सेल एग्रीमेंट दि. 4.6.2026 सी.नं. 68 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री विनोद सुदर्शन राजभर

आम सूचना

मैं श्री संजय मोती यादव सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, 255 चौ.फुट, हनुमान नगर, 45 चौ.फुट, खुला जमीन, बैरक नं. 138 के पास, उल्हासनगर- 1 (टैक्स नं. 05एओ14444600) उक्त प्रॉपर्टी श्री रविकुमार शंकरलाल खत्री से सेल एग्रीमेंट दि. 9.5.2026 सी.नं. 1075 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री संजय मोती यादव

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099